पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	➢ **कविता -1= वह चिड़ियाँ जो** ➢ व्याकरण = भाषा ,लिपि ,व्याकरण ➢ लेखन -विभाग = निबंध ➢ **पाठ -2 बचपन** ➢ लेखन -विभाग = पत्र लेखन ➢ बाल रामायण = पाठ -1,2
2	जून	➢ **पाठ -3 = नादान दोस्त** ➢ व्याकरण = सर्वनाम ➢ लेखन = अनुच्छेद ➢ **कविता -4= चाँद से थोड़ी सी गप्पें** ➢ व्याकरण = क्रिया ➢ लेखन = संवाद लेखन ➢ बाल रामायण =पाठ -3,4
3	जुलाई	➢ **पाठ- 5 अक्षरों का महत्व** ➢ व्याकरण = कारक ➢ लेखन = सूचना ➢ **पाठ = 6 पार नजर के** ➢ व्याकरण = काल ➢ लेखन = कहानी लेखन ➢ बाल रामायण =पाठ-5
4	अगस्त	➢ **कविता -7=साथी हाथ बढ़ाना** ➢ व्याकरण = उपसर्ग ,प्रत्यय ➢ लेखन = पत्र लेखन ➢ **पाठ -8= ऐसे -ऐसे** ➢ व्याकरण = अशुद्ध वाक्य संशोधन ➢ लेखन = चित्र वर्णन ➢ बाल रामायण – पाठ -6
5	सितम्बर	➢ **पाठ – 9 टिकट एल्बम** ➢ व्याकरण – अनेक शब्दो के लिए एक शब्द ➢ लेखन = अनुच्छेद

कविता -1 वह चिड़िया जो
(लेखक- श्री केदारनाथ अग्रवाल)

➢ कविता का सार

प्रस्तुत कविता में चिड़िया अपना परिचय देते हुए कहती है कि मैं वह चिड़िया हूँ जो दूध से भरे जुण्डी के दानों को बड़े शौक से खाती है| मुझे अन्न के दानों से बहुत प्यार है| मैं छोटी और संतोषी चिड़िया हूँ | मेरे पंख नीले है | मैं वह चिड़िया हूँ जो बूढ़े वन-बाबा की खातिर बहुत मधुर स्वर में गाना गाती हूँ| मैं वह चिड़िया हूँ जो चोंच मारकर चढ़ीनदी का दिल टटोलकर जल का मोती ले जाती है | मैं छोटी और गर्वीली चिड़िया हूँ तथा मैं नदी से बहुत प्यार करती हूँ |

➢ नए शब्द

1) दूध -भरे
2) जुण्डी
3) रुचि से
4) गरबीली
5) संतोषी
6) रस उंडेलकर
7) विजन
8) विजन

➢ शब्दार्थ

1) दूध -भरे = कच्चे , अधपके ,मीठे
2) जुण्डी = ज्वार
3) रुचि से = खुशी से
4) रस से = रस लेकर , स्वाद लेकर
5) संतोषी = संतोष करने वाली
6) रस उंडेलकर = मधुर , शहद घोलकर
7) मुँह बोली = प्यारी
8) विजन = निर्धन स्थान , एकांत
9) जल का मोती = पानी की बूँद
10) गरबीली = स्वाभिमानी

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(1) चिड़िया आनंदपूर्वक क्या खाती है?

(i) दूध भरे गेहूँ के दाने
(ii) दूध भरे मक्का के दाने
(iii) दूध भरे ज्वार के दाने
(iv) दूध भरे धान

(2) चिड़िया के पंख के रंग कैसे हैं?

(i) लाल
(ii) पीले
(iii) नीले
(iv) काले

(3) चिड़िया को पसंद है-

(i) फल (ii) सब्ज़ी

(iii) अनाज़ के दाने (iv) मिठाई

(4) चिड़िया किसके लिए गाती है?

(i) नदियों के लिए (ii) संगीत प्रेमियों के लिए

(iii) जंगल के लिए। (iv) अपने मित्र के लिए

(5) चिड़िया को किन चीज़ों से प्यार है?

(i) नदी से (ii) जंगल से

(iii) अन्न से **(iv) उपर्युक्त सभी**

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.चिड़िया के पंख किस रंग के हैं?

उत्तर- चिड़िया के पंख नीले रंग के हैं।

प्रश्न 2. चिड़िया कहाँ से मोती ले जाती है?

उत्तर- चिड़िया नदियों के उफनते जल से मोती ले जाती है।

प्रश्न 3. चिड़िया किसके दाने खाती है?

उत्तर- चिड़िया जुडी के दाने खाती है।

प्रश्न 4. अनाज के दाने किससे भरे हुए हैं?

उत्तर- अनाज के दाने दूध से भरे हुए हैं।

प्रश्न 5. चिड़िया का स्वभाव कैसा है?

उत्तर- चिड़िया का स्वभाव संतोषी है।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कविता के आधार पर चिड़िया के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर- इस कविता में नीले पंखोंवाली एक छोटी चिड़िया का स्वभाव सी चिड़िया का वर्णन है। इस-संतोषी है। थोड़े से दाने इसके लिए पर्याप्त हैं। यह मुँह बोली है। यह एकांत में उमंग से गाती है। यह गरबीली भी है।इसे अपने साहस और हिम्मत पर गर्व है।

प्रश्न 2. चिड़िया किससे प्यार करती है और क्यों?

उत्तर- इस छोटी चिड़िया को अन्न से प्यार है। यह जुडी के दाने बड़े मन से खाती है। उसे विजन से प्यार है। उसे नदी से भी प्यार है। एकांत जंगल में वह मधुर स्वर में गाती है। वह उफनती नदी की बीच धारा से जल की बूंदें अपनी चोंच में लेकर उड़ जाती है।

प्रश्न 3. चिड़िया अपना जीवन कैसे व्यतीत करती है?

उत्तर- चिड़िया अपना जीवन प्रेम, उमंग और संतोष के साथ व्यतीत करती है। वह सबसे प्रेम करती है। एकांत में भी उमंग से रहती है। वह संतोषी है। वह थोड़े में ही संतोष करती है। आजाद होने की वजह से वह मीठे स्वर में गाती है। उसका स्वर बहुत मीठा है। वह गाते और उड़ते हुए अपना पूरा जीवन व्यतीत करती है।

प्रश्न 4 . चिड़िया के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर- कवि चिड़िया के माध्यम से खुशी से जीने का संदेश हमें देते हैं। चिड़िया के माध्यम से हमें सीख मिलती है कि हमें थोड़े में ही संतोष करना चाहिए। इसके साथ ही कवि हमें बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए। हमें अपनी क्षमता को भी पहचानना चाहिए।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर -चिड़िया जिन चीज़ों से प्यार करती है वो इस प्रकारहैं- चिड़िया को खेतों में लगे जौ-बाजरे की फलियों से प्यार है। उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ वह खुली हवा में गाना गा सकती है, से प्यार है। उसे नदी से प्यार है जिस का ठंडा और मीठा पानी वह पीती है। यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं। इसलिए वह इन सब से प्यार करती है।

प्रश्न 2 कवि ने चिड़िया को छोटी,संतोषी,मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उत्तर - चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभाव की है।अतः कवि उसे संतोषी कहता है।चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्यों कि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलता पूर्वक कर जाती है।यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

(व्याकरण)

भाषा , लिपि और व्याकरण

➢ **भाषा** - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप हैं-

1) मौखिक भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2) लिखित भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

लिपि – भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	**लिपि**
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

व्याकरण – व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली-भाँति समझाना।

भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

1. भाषा कहते हैं|
(i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को (ii) लिखने के ढंग को
(iii) भाषण देने की कला को (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
(i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को (ii) मौखिक भाषा को
(iii) भाषा के लिखने की विधि को (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ____ कहते हैं?
(i) सांकेतिक भाषा (ii) लिखित भाषा
(iii) मौखिक भाषा (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
(i) लिपि को समझना (ii) विचारों का लिखित रूप
(iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना
5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?
(i) अंग्रेजी (ii) फ्रेंच
(iii) उर्दू (iv) संस्कृत

लेखन -विभाग
निबंध

➢ ग्रीष्मऋतु

भारत में एक के बाद एक छः ऋतुएँ आती हैं। उन ऋतुओं में ग्रीष्म ऋतु का अपना महत्व है। ऋतु राज बसन्त की समाप्ति पर प्रकृति के आंचल में ग्रीष्म का आगमन होता है। जीवन में एक प्रकार की वस्तु से नीरसता आ जाती है। एक ही प्रकार का बढ़िया से बढ़िया भोजन भी कुछ दिनों के बाद नीरस सा लगने लगता है। भोजन में भिन्न-भिन्न रसों और स्वादों का होना आवश्यक है। उसी प्रकार स्वस्थ और आनंद मुक्त जीवन के लिए विभिन्न प्रकार की ऋतुओं का होना आवश्यक है।

ज्येष्ठ और आषाढ़ के महीने ग्रीष्म ऋतु के होते हैं। इन मासों में सूर्य की किरणें इतनी तेज होती हैं कि प्रातः काल में भी उन्हें सहन करना सरल नहीं होता। गर्मी इतनी अधिक होती है कि बार बार स्नान करने में आनंद आता है। शर्बत और ठंडा पानी पीने की इच्छा होती है। प्यास बुझाए नहीं बुझती। पानी जितना पिओ, उतना थोड़ा है। लू इतनी प्रचंड होती है कि उन्हें घर से बाहर निकलने का मन ही नहीं करता।गर्मियों में दिन लम्बे होते हैं और रातें छोटी।

इस ऋतु में सूर्य की गति उत्तरायण की ओर होती है, जो गरम लू देता है जिससे असहनीय गर्मी पड़ती हैं । ग्रीष्म ऋतु में दिन लम्बे और रातें छोटी हो जाती हैं । सूर्य अपनी किरणों से जगत के द्रवांश पदार्थ को खींच लेता है । मनुष्य की तरह जानवर भी गर्मी महसूस करते हैं । वह पेड़ की छाया में बैठकर जुगाली करना और पानी में तैरना पसन्द करते हैं । पक्षी अपने घोंसलों में छिपकर बैठते हैं । जिससे ज्ञात होता है कि गर्मी असहनीय है ।

ग्रीष्म ऋतु में शरीर अलसाया हुआ और काम न करने वाला हो जाता है । ठण्डे स्थान पर रहने को मन करता है ।मध्यम वर्गीय लोग घरों में कूलर, पंखा, एअर कंडीश्नर लगाकर गर्मी को दूर करते हैं । गर्मी से हमें लाभ भी बहुत हैं। यदि गर्मी अच्छी पड़ती है तो वर्षा भी खूब होती है। गर्मी के कारण ही अनाज पकता है और खाने योग्य बनता है। ग्रीष्म ऋतु में गर्मी के कारण विषैले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इस ऋतु में आम, लीची आदि अनेक रसीले फल भी होते हैं। इनका स्वाद ही निराला होता है।

प्रत्येक ऋतु की अपनी अपनी विशेषता और अपना अपना महत्व है। ग्रीष्म ऋतु का अपना महत्व और आकर्षण है।

- **गतिविधि** – चिड़ियाँ का चित्र बनाकर रंग भरिए |

पाठ -2 बचपन
(लेखिका – कृष्णा सोबती)

➢ पाठ का सार

" बचपन " पाठ लेखिका श्रीमती कृष्णा सोबती का संस्मरण है , जिसमें वे बता रही है कि उम्र में वे बच्चों की दादी या नानी के बराबर हैं | वैसे उनके परिवार के लोग उन्हें जीजी कहते हैं | बचपन में उन्होने अनेक प्रकार के फ्रॉक पहने है | वे इतवार के दिन अपने मोजे खुद धोती थी तथा अपने जूते पोलिश करती थी | बचपन में उन्हें हर शनिवार को ऑलिव आयल या कैस्टर ऑइल पीना पड़ता था | हफ़्ते में एक दिन बच्चों को चोकलेट खरीदने की होती थी | उन्होने शिमला रिज पार घुड़सवारी की और खूब मजे किए | इसप्रकार लेखिका अपने बचपन की यादें ताजा कर रही है |

➢ नए शब्द

1- शताब्दी
2- पोशाकें
3- इतराते
4- शनीचर
5- शहतूत
6- ननिहाल
7- आश्वासन

➢ शब्दार्थ

1- शताब्दी = सौ वर्ष
2- दशक = दस वर्ष
3- फ्रिल = झालर
4- मितली = जी का मचलना
5- निरा = केवल
6- कमतर = ज्यादा छोटा
7- कोलाहल = शोर
8- आश्वासन = भरोसा
9- खीजना = क्रोध करना
10- शेर = कविता
11- सुभीतेवाली = आरामदायक
12- सहल = आसान

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) "बचपन' पाठ किसकी रचना है-

(i) प्रेमचंद (ii) रवींद्रनाथ टैगोर

(iii) महादेवी वर्मा **(iv) कृष्णा सोबती**

(ख) लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या काम करती थी?

(i) वह विद्यालय जाती थी। (ii) वह पौधों की देख-रेख करती थी।

(iii) वह नृत्य करती थी। **(iv) वह अपने मोजे व जूते पॉलिश करती थी**

(ग) लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

(i) 18वीं सदी **(ii) 20वीं सदी**

(iii) 21वीं सदी (iv) 22वीं सदी

(घ) पहले गीत-संगीत सुनने के क्या साधन थे?

(i) रेडियो (ii) टेलीविज़न

(iii) ग्रामोफ़ोन (iv) सी० डी० प्लेयर

(ङ) हर शनिवार लेखिका को क्या पीना पड़ता था?

(i) घी **(ii) ऑलिव ऑयल**

(iii) सरसों तेल (iv) नारियल तेल

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस संस्मरण में लेखिका किसकी चर्चा कर रही है?

उत्तर- इस संस्मरण में लेखिका अपने बचपन की चर्चा कर रही है।

प्रश्न 2. लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

उत्तर- 20वीं सदी में।

प्रश्न 3. लेखिको को सप्ताह में कितनी बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी?

उत्तर- लेखिका को सप्ताह में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी।

प्रश्न 4. हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पड़ता था?

उत्तर- हर शनिवार को लेखिका को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

प्रश्न 5. दुकान में किस ट्रेन का मॉडल था?

उत्तर- दुकान में शिमलाकालका ट्रेन का मॉडल था।-

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में कौन लेकर खाती थी-कौन सी चीजें मज़ा ले-?

उत्तर- लेखिका बचपन में कुल्फ़ी, शहतूत, फ़ाल्से के शरबत, चॉकलेट, पेस्ट्री तथा फले मजे ले लेकर-खाती थी। कुछ प्रमुख फल काफ़ल और चेस्टनट हैं।

प्रश्न 2. टोपी के संबंध में लेखिका क्या सोचती थी?

उत्तर- लेखिका बचपन के दिनों में सिर पर टोपी लगाना पसंद करती थी। उनके पास कई रंगों की टोपियाँ थीं।उनका कहना है कि सिर पर हिमाचली टोपी पहनना आसान था जबकि सिर पर दुपट्टा रखना थोड़ा कठिन काम।

प्रश्न 3. उम्र बढ़ने के साथक्या बदलाव हुए हैं-साथ लेखिका के पहनावे में क्या-?

उत्तर- उम्र बढ़ने के साथसहन मे-साथ लेखिका के पहनावे में और रहन-ं जमीन आसमान का अंतर आ-गया है। बचपन में लेखिका रंगकें पहनती थी। जैसे पहले फ्रॉकबिरंगी पोशा-, उसके बाद , स्कर्ट, लहँगे इत्यादि। वर्तमान परिवेश में वे चूड़ीदार पजामी और ऊपर से घेरेदार कुर्ता पहनती हैं।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहना करती थी?

उत्तर- बचपन में लेखिका रंग गे कपड़े पहनती थी। उन्होंने पिछले दशकों में क्रमशः अनेक प्रकारबिरं- के पहनावे बदले हैं। लेखिका पहले फ्रॉक उसके बाद निकरवॉकर-, स्कर्ट, लहँगे पहनती थी। उन दिनों फ्रॉक के ऊपर की जेब में रूमाल और बालों में इतराते रंग बिरंगे रिबन का चलन था।- लेखिका तीन तरह की फ्रॉक इस्तेमाल किया करती थी। एक नीली पीली धारीवाला फ्रॉक था जिसका कॉलर गोल होता था। दूसरा हलके गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटवाला घेरदार फ्रॉक था, जिसमें गुलाबी फ्रिल लगी होती थी। लेमन कलर के बड़े प्लेटों वाले गर्म फ्रॉक का जिक्र करती हैं, जिसके नीचे फ़र टॅकी थी।

प्रश्न 2. चश्मा लगाते समय डॉक्टर ने क्या भरोसा दिया था?

उत्तर- चश्मा लगाते समय डॉक्टर ने आश्वासन दिया था कि कुछ दिन चश्मा पहनने के बाद चश्माआँखों से उतर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके लिए लेखिका स्वयं को ही जिम्मेदार मानती है। दिन की रोशनी में न काम कर रात में टेबल लैंप के सामने काम करने के कारण उनका चश्मा कभी नहीं हटा।

लेखन -विभाग

पत्र -लेखन

➢ पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

पत्र लिखते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए –

- पत्र सरल और सुबोध भाषा में होना चाहिए।
- पत्र की भाषा दुर्बोध नहीं होनी चाहिए।
- पत्र का आकार संक्षिप्त होना चाहिए।
- पत्र में अलंकारों, मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग नहीं होना चाहिए।
- पते और तिथि के कुछ नीचे बाईं ओर सम्बोधन (प्रिय, महोदय, श्रीमान) लिखते हैं।
- अंत में पत्र के ऊपर पत्र पाने वाले का नाम, नगर का नाम, डाकघर, जिले व प्रदेश का नाम और पिन कोड नम्बर स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

पत्रों को मुख्यतः दो वर्गों में विभाजित किया जाता है जो निम्नलिखित हैं-

1. अनौपचारिक पत्र
2. औपचारिक पत्र

1) औपचारिक पत्र - औपचारिक पत्र ऐसे लोगों को लिखा जाता है। जिनसे लिखने वाले का कोई पारिवारिक या व्यक्तिगत सम्बन्ध नहीं होता है।

औपचारिक पत्र अधिकारियों को, विद्यालय के प्रधानाचार्य को, समाचार – पत्र के सम्पादक को, नौकर को, पुस्तक विक्रेता या किसी व्यापारी आदि को लिखा जाता है।

2) अनौपचारिक पत्र- अनौपचारिक पत्र ऐसे लोगों को लिखा जाता है। जिनसे लिखने वाले का कोई पारिवारिक या व्यक्तिगत सम्बन्ध होता है।

अनौपचारिक पत्र माता – पिता, भाई – बहन, दादा – दादी, मित्र सहेली तथा सम्बन्धियों को लिखा जाता है।

➢ प्रधानाध्यापक को अवकाश के लिए पत्र

सेवा में,

ए० बी० एस० स्कूल
दिल्ली
विषय – प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए पत्र|
आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल के कक्षा सातवीं का छात्र हूँ। मैं कल शाम से बुखार से पीड़ित हूँ इसलिए स्कूल आने में पूरी तरह से असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने मुझे अगले तीन – दिन तक विस्तार पर आराम करने के लिए कहा है। मैं अगले तीन – दिन तक स्कूल में अनुपस्थित रहूंगा। कृपा मुझे क्षमा करें और अगले तीन – दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
संदीप कुमार
कक्षा – 6

- **गतिविधि -** अपने बचपन का चित्र लगाए और अपने बचपन की कोई एक यादें लिखिए |

बाल-रामायण

पाठ -1 अवधपुरी में राम

प्रश्न-1 अयोध्या नगरी किस नदी के किनारे बसी थी और किस राज्य की राजधानी थी?
उत्तर - अयोध्या नगरी सरयू नदी के किनारे बसी थी और यह कोसल राज्य की राजधानी थी।

प्रश्न-2 राजा दशरथ को क्या दुःख था?
उत्तर- राजा दशरथ को यह दुःख था कि उनकी कोई संतान न थी।

प्रश्न-3 राजा दशरथ की कितनी पत्नियाँ थीं?
उत्तर - राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ थीं - कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा।

प्रश्न-4 राजा दशरथ के कुल गुरु कौन थे?
उत्तर- राजा दशरथ के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ थे ।

प्रश्न-5 पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने कौन सा यज्ञ किया?
उत्तर - पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया ।

प्रश्न-6 यज्ञशाला कहाँ बनाई गई?
उत्तर - यज्ञशाला सरयू नदी के किनारे बनाई गई ।

प्रश्न-7 यज्ञ में किन्हें आमंत्रित किया गया?
उत्तर - यज्ञ में अनेक राजाओं और ऋषि मुनियो को आमंत्रित किया गया ।

प्रश्न-8 महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का क्या नाम था ?
उत्तर- महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का नाम सिद्धाश्रम था ।

प्रश्न-8 रघुकुल की क्या रिति थी?
उत्तर - रघुकुल की रिति थी कि वचन का पालन प्राण देकर भी करना चाहिए ।

प्रश्न-9 महर्षि विश्वामित्र राम के साथ और किसे अपने साथ ले गए ?
उत्तर - महर्षि विश्वामित्र राम के साथ लक्ष्मण और किसे अपने साथ ले गए ।

प्रश्न-10 महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को क्या समझाया ?
उत्तर - महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को राम की शक्ति के बारे में, प्रतिज्ञा तोड़ने के बारे में और के साथ रहने पर राम को होने वाले लाभ के बारे में समझाया ।

पाठ -2 जंगल और जनकपुर

प्रश्न-1 राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र किस ओर बढ़े ?
उत्तर- राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र सरयू नदी की ओर बढ़े ।
प्रश्न-2 अयोध्या नगरी सरयू नदी के किस तट पर थी ?
उत्तर- अयोध्या नगरी सरयू नदी के दक्षिणी तट पर थी ।
प्रश्न-3 चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र कहाँ थी ?
उत्तर - चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र महर्षि विश्वामित्र के सधे कदमो की ओर थी ।
प्रश्न-4 चिड़ियों के झुण्ड कहाँ जा रहे थे ?
उत्तर - चिड़ियों के झुण्ड अपने बसेरे की ओर लौट रहे थे ।
प्रश्न-5 आसमान का रंग कैसा हो गया था ?
उत्तर - आसमान का रंग मटमैला-लाल हो गया था ।
प्रश्न-6 सुंदर वन में कोई क्यों नहीं जाता था ?
उत्तर- ताड़का के डर से कोई सुंदर वन में नहीं जाता था क्योंकि जो भी आता ताड़का उसे मार डालती ।
प्रश्न-7 सुंदर वन का नाम ताड़का वन कैसे पड़ा ?
उत्तर - ताड़का का डर सुंदर वन में इतना था कि सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया था ।
प्रश्न-8 ताड़का वन कब भयमुक्त हो गया?
उत्तर- ताड़का के मरने के बाद में ताड़का वन भयमुक्त हो गया ।
प्रश्न-9 आश्रम के लोग क्यों प्रसन्न थे?
उत्तर - आश्रम के लोग महर्षि विश्वामित्र के आश्रम लौटने से और राम – लक्ष्मण के आगमन से प्रसन्न थे ।
प्रश्न-10 महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी किन्हें सौंपी?
उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी राम और लक्ष्मण को सौंपी ।
प्रश्न-11 मारीच क्यों क्रोधित था ?
उत्तर - मारीच यज्ञ के अलावा इस बात से क्रोधित था कि राम- लक्ष्मण ने उसकी मां को मारा था ।
प्रश्न-12 यज्ञशाला में उपस्थित सभी लोग हतप्रभ क्यों थे?
उत्तर - राम ने शिव धनुष को सहज ही उठा लिया । यह देखकर यज्ञशाला में उपस्थित सभी लोग हतप्रभ थे ।

पाठ -3 नादान दोस्त
(लेखक – मुंशी प्रेमचंद)

➢ पाठ का सार

'नादान दोस्त' कहानी दो भाई-बहन पर आधारित कहानी है। इस कहानी को प्रेमचंद जी ने लिखा है। केशव और श्यामा दो भाई-बहन हैं। उनके घर के कार्निस के ऊपर चिड़िया ने अंडे दिए थे। वे चिड़िया के अंडों की सुरक्षा हेतु विभिन्न उपाय करते हैं। परन्तु उनके उपाय निरर्थक हो जाते हैं। चिड़िया अपने अंडे स्वयं ही तोड़ देती है। दोनों को बहुत पछतावा होता है। परन्तु बहुत देर हो चुकी होती है। वे दोनों अंडों की सुरक्षा के लिए अच्छे कार्य ही करते हैं। परन्तु ज्ञान और अनुभव की कमी के कारण वे उनकी बर्बादी का कारण बन बैठते हैं। प्रेमचंद ने इसीलिए उन दोनों को नादान दोस्त कहा है। यह कहानी हमें सीख देती है कि किसी भी कार्य को करने से पहले पूरी तरह से सुनिश्चित कर लें कि जो आप कर रहे हैं, वह सही है या नहीं। केशव और श्यामा ने चिड़िया के बच्चों के लिए जो भी किया था यदि वे अपने माता-पिता से एक बार पूछ लेते, तो शायद वे उन बच्चों को अपने सामने देख पाते।

➢ नए शब्द

1- तसल्ली
2- जिज्ञासा
3- कार्निस
4- टहनी
5- सिटकनी
6- टहनी
7- यकायक
8- प्रस्ताव

➢ शब्दार्थ

1- कार्निस = दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग
2- सुध = याद ,होश
3- तसल्ली = दिलासा
4- पेचीदा = मुश्किल
5-जिज्ञासा = जानने की इच्छा
6- अधीर = बैचेन
7- प्रस्ताव = सुझाव
8- चाव = शौक
9- उधेड़बुन = सोच -विचारकर
10- यकायक = एकदम , सहसा
11- उजला = साफ़
12- थामना = सहारा देना
13- जोग = प्रयास , कोशिश
14- भीगी बिल्ली बनना = डरा हुआ

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 चिड़िया ने कितने अंडे दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने तीन अंडे दिए थे।
प्रश्न-2 चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।
प्रश्न-3 यकायक श्यामा की नींद कब खुली?
उत्तर - यकायक श्यामा की नींद चार बजे खुली।
प्रश्न-4 टूटे अंडों से क्या चीज़ बाहर निकल आई थी?
उत्तर - टूटे अंडों से उजला उजला पानी बाहर निकल आई थी।
प्रश्न-5 केशव अंडों को देखने के लिए कार्निस तक कैसे पहुँचा था?
उत्तर - केशव अंडों देखने के लिए कार्निस तक स्टूल की मदद से पहुँचा था।
प्रश्न-6 माँ ने बच्चों को बाहर निकलने से क्यों मना किया था?
उत्तर - माँ ने बच्चों को बाहर धूप के कारण निकलने से मना किया था।
प्रश्न-7 श्यामा भाई से बार - बार क्या आग्रह कर रही थी?
उत्तर - श्यामा भाई से बार - बार अंडे दिखाने के लिए आग्रह कर रही थी।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त क्यों रखा गया है?
उत्तर - इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त इसलिए रखा गया है क्योंकि बच्चे चिड़िया और अंडों के प्रति अपनी दोस्त निभा रहे थे परन्तु नादानी में वे अंडों की हिफ़ाजत करने के जोग में उनका नुकसान कर देते हैं।
प्रश्न-2 केशव श्यामा को अंडे क्यों नहीं देखने दे रहा था?
उत्तर - केशव श्यामा को अंडे इसलिए नहीं देखने दे रहा था क्योंकि श्यामा उससे छोटी थी और उसे डर था कि कहीं वह अंडे देखने में स्टूल से गिर न जाए और उसे इसके लिए अम्माँ से डाँट न खानी पड़े।
प्रश्न-3 दोनों चिड़ियाँ बार - बार कार्निस पर आती थीं पर बगैर बैठे ही क्यों उड़ जाती थीं?
उत्तर - कार्निस पर चिड़िया ने अंडे दिए थे। चिड़ा और चिड़िया दोनों अंडों को देखने आते थे। लेकिन वह अंडे गंदे हो चुके थे इसलिए वे उन्हें सेते नहीं थे। यही कारण था कि वे बगैर बैठे ही उड़ जाती थीं।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?
उत्तर - केशव ने देखा, कार्निस पर थोड़े तिनके बिछे हुए हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं। उनकी हिफ़ाजत के लिए उसने चिथड़े मँगाकर उसकी गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उस पर रख दिए। उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की। टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।
प्रश्न-2 केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?
उत्तर - केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा:-
1.उनकी हिफ़ाजत के लिए उन्होंने चिथड़े की गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर अंडे धीरे से उस पर रख दिए।
2. उन्होंने उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की।
3. उन्होंने टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।

प्रश्न-3 केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या - क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर - केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में अनुमान लगाया कि उनमें से बच्चे निकल आए होंगे। बेचारी चिड़िया इतना दाना कहाँ से पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भर सके। गरीब बच्चे भूख के मारे चूँ चूँ करके मर जाएँगे। उन्हें तिनकों पर परेशानी होगी और तेज़ धूप में भी कष्ट होगा। यदि उनके जगह मैं होता तो अनुमान लगाता कि कोई जानवर अंडों को नुकसान न पहुँचा दे। मैं अंडों को छूता नहीं। चिड़िया के लिए दाना मैं ज़मीन पर बिखेर देता।

व्याकरण

- **सर्वनाम** - जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।
  उदाहरण : मैं, तू, आप,स्वयं, यह, वह, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या ।
- **सर्वनाम के भेद**

१- पुरुषवाचक सर्वनाम
२- निजवाचक सर्वनाम
३- निश्चयवाचक सर्वनाम
४- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
५- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
६- प्रश्नवाचक सर्वनाम

1- पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं । जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे ।

2- निजवाचक - जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे :स्वयं,आपही,खुद,अपनेआप।

उदाहरण
- तुम स्वयं यह कार्य करो।
- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।

3- निश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण
- वह एक लड़का है।
- वे इधर ही आ रहे हैं।
- यह कार मेरी है।

4- अनिश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण :
- लस्सी में कुछ पड़ा है ।
- भिखारी को कुछ दे दो|
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।

5- संबंधवाचक - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :

- जहाँ चाह वहाँ राह ।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे|
-जैसी करनी वैसी भरनी।

6- प्रश्नवाचक - जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं । उदाहरण
- रमेश क्या खा रहा है?
- कमरे मैं कौन बैठा है?

लेखन -विभाग

अनुच्छेद

➢ **वन और हमारा पर्यावरण**

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। ये सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते है और धरती की उपजाऊ-शक्ति को बढ़ाती है। वन ही वर्षा के धारासार जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकती है। यही रूका हुआ जल धीरें-धीरें सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रूकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का फैलाव रूकता है। वन हमारे द्वारा छोड़ी गई गंदी साँसों को कार्बन डाइआॅक्साइड को भोजन के रूप में ले लेते हैं और बदले में हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करते है। इन्हीं जगलो में असंख्य, अलभ्य जीवन-जंतु निवास करते हैं जिनकी कृपा से प्राकृतिक संतुलन बना रहता हे। आज शहरां में लगातार ध्वनि-प्रदूषण बढ़ रहा है। वन और वृक्ष ध्वनि-प्रदूषण भी रोकते है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भंयकर समस्या का समाधान हो सकता है। परमाणु उर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोंतो के भंडार है। इनमें ऐसी दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती है जो सारे जग को स्वास्थय प्रदान करती हे। गंगा-जल की पवित्रता का कारण उसमें मिली वन्य औषधियाँ ही है। इसके अतिरिक्त वन हमें लकड़ी, फूल-पत्ती, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्रदान करते है। र्भाग्य से आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रशित वन रह गए है। अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन वनाए रखने के लिए 10 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता हे। जैसे-जैसे उद्योगो की संख्या बढ़ती जा रही हे, वाहन बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और अधिक बढ़ती जाएगी।

➢ **गतिविधि – चिड़िया का चित्र बनाओ |**

कविता -4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पे
(लेखक – श्री शमशेर बहादुर सिंह)

➢ कविता का सार

कविता में एक दस – ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है| वह चाँद से कहती है कि आप गोल है , पर जरा तिरछा नज़र आते है | आपका वस्त्र यह पूरा आकश है , जिसमें सारे तारे जुड़े हुये है | इस पोशाक के बीच में केवल आपका गोरा चिट्टा ,गोल चेहरा दिखाई देता है | आप हमें बेवकूफ मत समझिए | हम जानते कि आप तिरछे नज़र क्यों आते हैं | आपको कोई बीमारी है | तभी आप घटते हैं , तो घटते ही चले जाते हैं फिर पूरी तरह गायब हो जाते हैं | फिर बढ़ते है तो बढ़ते ही चले जाते हैं , जब तक पूरे गोल न हो जाएँ | पता नहीं क्यों ,पर आपकी यह बीमारी ठीक ही नहीं होती |

➢ नए शब्द

1) गोकि
2) निरा
3) मरज़
4) पोशाक

➢ शब्दार्थ

1) गोरा-चिट्टा = बहुत सफ़ेद
2) पोशाक = वेषभूषा
3) गोकि = चूंकि
4) निरा = एकदम
5) दम लेना = विश्राम करना
6) गोल हो जाना = गायब हो जाना
7) मरज़ = रोग , बीमारी

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है?

(i) लड़का
(ii) तारे
(iii) लड़की
(iv) आसमान

ख) चाँद को कैसी बीमारी है?

(i) घटने की (ii) बढ़ने की

(iii) दोनों की (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) "चाँद से थोड़ी-सी गप्पें' कविता के कवि कौन हैं?

(i) केदारनाथ अग्रवाल **(ii) शमशेर बहादुर सिंह**

(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) विनय महाजन

घ) बालिका ने चाँद को क्या बीमारी बताई है?

(i) क्रोध करने की (ii) लाल-पीला होने की

(iii) घटने-बढ़ने की (iv) भूलने की

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. चाँद की पोशाक की क्या विशेषता है?

उत्तर- आकाश के चारों तरफ फैली हुई है।

प्रश्न 2. कवि के अनुसार चाँद को क्या बीमारी है?

उत्तर- तिरछे रहने की।

प्रश्न 3. लड़की चाँद के घटने बढ़ने का क्या कारण बताती है?

उत्तर- लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटताबढ़ता है।-

प्रश्न 4. यह आपको अच्छा ही नहीं होने में आता है 'मरज़', का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- चाँद पंद्रह दिन अमावस्या के अगले दिन से लेकर पूर्णिमा तक बड़ा होता है। पूर्णिमा के अगले दिन से अमावस्या तक फिर छोटा होता चला जाता है। चाँद को यह क्रम निरंतर चलता रहता है|

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

1- **कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश "कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?**

उत्तर:- कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश" कह कर लड़की कहना चाहती है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

2- "यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।"इस कविता द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर - कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

3 -"हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तर:- "हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।

व्याकरण
क्रिया

➢ **क्रिया की परिभाषा** – जिस शब्द अथवा शब्द समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो, वह क्रिया कहलाती हैं।

जैसे –
सीता गा रही है।
श्याम दूध पी रहा है।
सोहन कॉलेज जा रहा है।
तुम मेरे लिए दूध लाओ।

➢ **क्रिया के भेद**

क्रिया के दो भेद होते हैं –
1 . सकर्मक क्रिया
2 . अकर्मक क्रिया

1 . सकर्मक क्रिया – जिस क्रिया के कार्य का फल कर्त्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं अर्थात इन क्रियाओं में कर्म अवश्य होता हैं।

उदहारण –
(i) वह चढ़ता है।
(ii) वे हंसते हैं।
(iii) नीता खा रही है।
(iv) पक्षी उड़ रहे हैं।
(v) बच्चा रो रहा है।

2 . अकर्मक क्रिया – जिन क्रियाओं में कोई कर्म नहीं होता और उनके व्यापार का फल कर्त्ता ही पड़ता है, वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

(i) वह चढाई चढ़ता है।
(ii) मैं खुशी से हँसता हूँ।
(iii) नीता खाना खा रही है।
(iv) बच्चे जोरों से रो रहे हैं।

लेखन -विभाग
संवाद लेखन

- **टिकट बाबू और यात्री में संवाद**

टिकट बाबू- आप अपना टिकट दिखाइए।

यात्री- यह रहा टिकट !

टिकट बाबू- यह टिकट तो शोलापुर तक का ही है। आप तो उससे एक स्टेशन आगे आ चुके हैं।

यात्री- एक स्टेशन आगे? तो क्या शोलापुर पीछे छूट गया?

टिकट बाबू- जी हाँ, शोलापुर तो पीछे छूट गया।

यात्री- यह तो बड़ी गड़बड़ हो गई अब क्या होगा?

टिकट बाबू- आप कर क्या रहे थे?

यात्री- जीमेरी आँख लग गई थी। !

टिकट बाबू- आपको पहले से सचेत रहना चाहिए। कहीं ऐसी भी गलती होती हैं?

यात्री- असल में मैं इस रास्ते में अनजान हूँ। मुझे पता नहीं था कि शोलापुर किस स्टेशन के बाद है।

टिकट बाबू- ठीक है। आप अगले स्टेशन पर उतर जाइए और आइन्दा इस बात का ध्यान रखिएगा। वरना आपको फाइन हो सकती है।

यात्री- भला मैं ऐसा क्यों करूँगा? इससे तो मुझे ही परेशानी होगी।

- **गतिविधि –** चाँद का चित्र बनाए और चाँद के ऊपर एक कविता लिखिए **|**

बाल - रामायण
पाठ -3 दो वरदान

प्रश्न-1 राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा क्या थी?
उत्तर- राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा थी कि राम का राज्याभिषेक हो।
प्रश्न-2 भरत और शत्रुघ्न कहाँ गए थे?
उत्तर - भरत और शत्रुघ्न अपने नाना केकयराज के यहाँ गए हुए थे ।
प्रश्न-3 कैकेयी की दासी का क्या नाम था?
उत्तर- कैकेयी की दासी का नाम मंथरा था ।
प्रश्न-4 मंथरा क्यों जलभुन गई?
उत्तर - मंथरा राम के राज्याभिषेक के बारे में सुन कर जलभुन गई ।
प्रश्न-5 मंथरा ने राम के राज्याभिषेक को क्या समझा?
उत्तर - मंथरा ने राम के राज्याभिषेक को रानी कैकेयी के विरुद्ध षड्यंत्र समझा ।
प्रश्न-6 रानी कैकेयी के मन में क्या प्रश्न था?
उत्तर - रानी कैकेयी के मन में प्रश्न था कि वह राजा दशरथ से दो वरदान के बारे में कैसे कहे ।
प्रश्न-7 राजा दशरथ शुभ समाचार देने के लिए किसके कक्ष की ओर बढे?
उत्तर- राजा दशरथ शुभ समाचार देने के लिए रानी कैकेयी के कक्ष की ओर बढे।
प्रश्न-8 मंथरा को राम के राज्याभिषेक के बारे में कैसे पता चला?
उत्तर - मंथरा को राम के राज्याभिषेक के बारे में कौशल्या की दासी से पता चला ।
प्रश्न-9 रानी कैकेयी के पूछने पर मंथरा ने उन्हें क्या सलाह दी?
उत्तर- मंथरा ने रानी कैकेयी को राजा दशरथ से वो दो वरदान मांगने को कहे जो उन्होंने रानी कैकेयी को दिये थे ।
प्रश्न-10 रानी कैकेयी के मन में क्या प्रश्न था?
उत्तर - रानी कैकेयी के मन में प्रश्न था कि वह राजा दशरथ से दो वरदान के बारे में कैसे कहे ।
प्रश्न-11 रानी कैकेयी के वरदान सुनकर राजा दशरथ की क्या दशा हुई?
उत्तर - रानी कैकेयी के वरदान सुनकर राजा दशरथ अवाक रह गए और मूर्छित होकर गिर पड़े ।

बाल रामायण

पाठ- 4 राम का वन गमन

प्रश्न-1 नगरवासी रातभर किसकी तैयारी में लगे हुए थे?
उत्तर- नगरवासी रातभर राज्याभिषेक की तैयारी में लगे हुए थे ।
प्रश्न-2 गुरु वशिष्ठ की आँखों में नींद क्यों नहीं थी?
उत्तर - गुरु वशिष्ठ राम की राज्याभिषेक के लिए उत्साहित थे इसलिए उनकी आँखों में नींद नहीं थी ।
प्रश्न-3 महर्षि ने महामंत्री को महाराज को देखने के लिए कहाँ भेजा?
उत्तर - महर्षि ने महामंत्री को महाराज को देखने के लिए राजभवन भेजा ।
प्रश्न-4 महामंत्री सुमंत्र असहज क्यों थे?
उत्तर - महामंत्री सुमंत्र असहज इसलिए थे क्योंकि पिछली शाम से किसी ने महाराज को नहीं देखा था ।
प्रश्न-5 महामंत्री ने कैकेयी के महल में महाराजा दशरथ को किस स्तिथि में देखा?
उत्तर - महामंत्री ने देखा कि महाराजा दशरथ बीमार और दीनहीन अवस्था में पलंग पर पड़े थे ।
प्रश्न-6 राम को देखते ही कौन बेसुध हो गए?
उत्तर- राम को देखते ही राजा दशरथ बेसुध हो गए ।
प्रश्न-7 राम को देखते ही राजा दशरथ की क्या दशा हुई?
उत्तर- राजा दशरथ राम को देखते ही बेसुध हो गए । उनके मुँह से हलकी - सी आवाज़ निकली, "राम!" उन्हें होश आया तब भी वे कुछ बोल नहीं सके ।
प्रश्न-8 कैकेयी के महल से निकल कर राम सीधे कहाँ गए?
उत्तर - कैकेयी के महल से निकल कर राम सीधे अपनी माँ के पास गए ।
प्रश्न-9 कौशल्या का क्या मन था?
उत्तर - कौशल्या का मन था कि राम को रोक लें । वन न जाने दें । राजगद्दी छोड़ दें । पर वह अयोध्या में रहें ।
प्रश्न-10 राम ने सीता से क्या आग्रह किया?
उत्तर - राम ने सीता से अपने माता पिता की सेवा करने का आग्रह किया ।
प्रश्न-11 सीता क्यों व्याकुल हो गयीं?
उत्तर - राम ने जब वन जाने के लिए सीता से विदा माँगी तो वह व्याकुल हो गयीं ।
प्रश्न-11 राम का निर्णय सुनकर सीता ने उनके सम्मुख क्या प्रस्ताव रखा?
उत्तर - राम नहीं माने तो सीता ने उनके साथ जंगल जाने का प्रस्ताव रखा ।
प्रश्न-12 वनवासियों ने रात कहाँ बिताई?
उत्तर- वनवासियों ने रात तमसा नदी के तट पर बिताई ।

पाठ- 5 अक्षरों का महत्व
(लेखक – श्री गुणाकर मुले)

➢ पाठ का सार

हमारी पृथ्वी बहुत पुरानी है है ।दो-तीन अरब साल तक पृथ्वी पर किसी प्रकार के जीव जंतु नहीं थे फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही राज्य रहा । इंसानों ने कोई 10 हज़ार साल पहले गांव को बसाना शुरू किया । फिर धीरे-धीरे वह खेती करने लगा। चित्र संकेत से भाव संकेत बने और नए युग की शुरुआत हुई । लोग अपने-अपने हिसाब रखने लगे । तब से इंसान सभ्य कहा जाने लगा | अक्षरों की खोज ना हुई होती, तो हम इतिहास को नहीं जान पाते और हम यह भी नहीं जान पाते कि हजारों साल तक इंसान ने अपना जीवन कैसे व्यतीत किया । मानव क्या-क्या सोचता था और उसने क्या-क्या कार्य किए । अक्षरों की खोज मनुष्य की बड़ी खोज है । वह अपने विचारों को लिखकर रखने लगा । इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षर की खोज से मानव सभ्यता का तेजी से विकास हुआ है । यह महत्व है अक्षरों का और उससे बने लिपियों का ।

➢ नए शब्द

1) मूल
2) सभ्य
3) सिलसिला
4) प्रागएतिहासिक
6) वृत
7) अनादि
8) तादाद

➢ शब्दार्थ

1) तादाद = संख्या
2) मूल – जड़ , आधार
3) अनादि = जिसका आरंभ न हो
4) अस्तित्व = सत्ता
5) वृत = गोल घेरा
6) कौमा = जाति
7) सभ्य = शिष्ट
8) जरिए = के द्वारा
9) प्रागएतिहासिक = इतिहास से पहले का काल
10) सिलसिला = क्रम

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग कब शुरू हुआ?

(i) एक हजार साल पहले (ii) दस हजार साल पहले

(iii) छह हजार साल पहले (iv) दो हजार साल पहले

(ख) धरती कितने साल पुरानी है?

(i) चार अरब साल **(ii) पाँच अरब साल**

(iii) तीन अरब साल (iv) छह हजार साल

गगाँवों का विकास कितने वर्ष पूर्व हुआ (?

(i) आठ हजार (ii) बारह हज़ार

(iii) छह हज़ार **(iv) दस हज़ार**

(घअक्षर ज्ञाने से पहले मनुष्य किस प्रकार संदेश भेजता था (?

(i) आवाज रिकार्ड करके **(ii) चिल्लाकर**

(iii) चित्रों के माध्यम से (iv) घंटी बजाकर

(ङसी है-स्थायी भाषा कौन (?

(i) मौखिक (ii) लिखित

(iii) सांकेतिक **(iv) इनमें से कोई नहीं**

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अब तक दुनिया में कितनी पुस्तकें छप चुकी हैं?

उत्तर- दुनिया में अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं।

प्रश्न 2. धरती का अस्तित्व कब से है?

उत्तर- धरती का अस्तित्व लगभग पाँच अरब साल पहले से है।

प्रश्न 3. आदमी ने गाँवों में रहना कब से शुरू किया?

उत्तर- करीब दस हज़ार वर्ष पहले आदमी ने गाँवों में रहना शुरू किया।

प्रश्न 4. मनुष्य से पहले इस धरती पर किसका राज्य रहा?

उत्तर- धरती पर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का राज्य रहा।

प्रश्न 5. सूर्य का चित्र किसका द्योतक बन गया?

उत्तर- आगे चलकर सूर्य का चित्र का द्योतक बन गया। 'धूप' या 'ताप'

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ नए युग की शुरुआत हुई?

उत्तर- अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार एवं अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को कहा जाने लगा। आदमी ने जब से 'सभ्य' लिखना शुरू किया, तब से आरंभ हुआ और एक पीढ़ी के विचार दूसरी पीढ़ी तक 'इतिहास' पहुँचने लगे, जिससे एक नए युग की शुरुआत हुई।

प्रश्न 2. अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ?

उत्तर- अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग छह हज़ार साल पहले शुरू हुआ। अक्षर बनाने से पहले मनुष्य अपने भाव पशु, पक्षियों और आदमियों के चित्रों के माध्यम से प्रकट करता था।

प्रश्न 3अक्षरों के ज्ञान से पूर्व मनुष्य अपनी बात को दूर दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन किन- माध्यमों का सहारा लेता था?

उत्तर- अक्षरों के ज्ञान से पूर्व मनुष्य अपनी बात को दूर दराज़ इलाकों तक पहुँचाने के लिए कई तरीके अपनाए थे। उनमें चित्रों के जरिए अपने भाव व्यक्त करना था। जैसेपशु-, पक्षियों, व्यक्तियों के चित्र।

व्याकरण

➢ कारक की परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संज्ञा या सर्वनाम का सम्बन्ध सूचित हो, उसे उस रूप को 'कारक' कहते हैं।

➢ कारक के भेद-

➢ - कर्ता कारक
- कर्म कारक
- करण कारक
- सम्प्रदान कारक
- अपादान कारक
- सम्बन्ध कारक
- अधिकरण कारक
- संबोधन कारक

(1) कर्ता कारक :- जो वाक्य में कार्य करता है उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले उसे कर्ता कहते हैं।
राम ने पत्र लिखा।
हम कहाँ जा रहे हैं।
रमेश ने आम खाया।

(2) कर्म कारक :- जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं।
- ममता सितार बजा रही है।
- राम ने रावण को मारा।
- गोपाल ने राधा को बुलाया।

(3) करण कारक :- जिस साधन से क्रिया होती है उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से और के द्वारा होता है।
- बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
- बच्चा बोतल से दूध पीता है।
- राम ने रावण को बाण से मारा।

4) सम्प्रदान कारक :- जिसके लिए कोई क्रिया काम की जाती है, उसे सम्प्रदान कारक कहते है।
- वे मेरे लिए उपहार लाये हैं।
- माँ बेटे के लिए सेब लायी।
- मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ।

5) अपादान कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो वहाँ पर अपादान कारक होता है।
हाथ से छड़ी गिर गई।
चूहा बिल से बाहर निकला।
पेड़ से आम गिरा।

6) संबंध कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप की वजह से एक वस्तु की दूसरी वस्तु से संबंध का पता चले उसे संबंध कारक कहते हैं।
राम की किताब, श्याम का घर।
चाँदी की थाली, सोने का गहना।

7) अधिकरण कारक :- अधिकरण का अर्थ होता है – आधार या आश्रय। संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

पुस्तक मेज पर है।
पानी में मछली रहती है।
फ्रिज में सेब रखा है।

8) सम्बोधन कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।

हे ईश्वर ! रक्षा करो।
अरे ! बच्चो शोर मत करो।
हे राम ! यह क्या हो गया।

लेखन -विभाग

सूचना- लेखन

26 जुलाई 2020

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20 - -
समय - प्रातः 10 बजे
स्थान - विद्यालय सभागार
विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 - -तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे
सचिव
हिंदी साहित्य समिति

➢ **गतिविधि -** पाठ आधारित चित्र बनाए |

पाठ -6 पार नज़र के
(लेखक – जयंत विष्णु नार्लीकर)

➢ पाठ का सार

छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर ज़मीन के नीचे बनी एक कॉलोनी में रहता था। एक समय था जब लोग मंगल ग्रह पर जमीन के ऊपर रहते थे, ये पुरखे बगैर किसी तरह के यंत्रों की मदद के, बिना किसी खास किस्म के पोशाक के रहते थे लेकिन धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। इससे धरती पर रहने वाले कई प्रकार के जीव धीरे-धीरे एक के बाद एक मरने लगे। इस परिवर्तन का कारण सूर्य में आया परिवर्तन था। सूर्य में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। इस कहानी में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक संस्था नासा–जिसका पूरा नाम "नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA)" है ने भेजा था। इस यान का नाम वाइकिंग था। पृथ्वी के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करने के लिए बड़े उत्सुक थे। इस कहानी के अनुसार छोटू के माध्यम से मंगल ग्रह के जीवन के बारे में बताया गया है। यह तथ्य कल्पना पर आधारित अवश्य लगता है लेकिन इसमें पाठकों की जिज्ञासा उत्पन्न की गई है। हाँ, ऐसा कुछ-कुछ होना संभव अवश्य है, पर इसे पूर्णतः सत्य नहीं कहा जा सकता। यह एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर रची गई काल्पनिक कहानी है। इसे पढ़कर हमारे ज्ञान में अवश्य वृद्धि होती है।

➢ नए शब्द

1) सुरंगनुमा
2) चुनिंदा
3) हथिया लिया
4) गतिविधियां
5) मुमकिन
6) अवलोकन करना
7) अस्तित्व
8) ऊर्जा
9) दरखास्त
10) निर्धारित

➢ शब्दार्थ

1) चुनिंदा – चुना हुआ
2) दर्शाना – प्रकट करना
3) लाज़िमी – फर्ज़ , आवश्यक
4) प्रशिक्षण – ट्रेनिंग
5) उष्णता – गर्मी , ताप
6) अक्षम – असमर्थ
7) सतर्कता – सावधानी
8) मंशा – इच्छा

9) यान – वाहन
10) दरखास्त – प्रार्थना
11) निरीक्षण – जाँच करना
12) अज्ञात – जिसका पता न हो
13) खाक करना – नष्ट कर देना

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. छोटू और उसकी माँ के बीच क्या बात होती थी?

उत्तर- छोटू और उसकी माँ के बीच सुरंगनुमा रास्ते की बात होती थी।

प्रश्न 2. सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?

उत्तर- सुरंगनुमा रास्ता सभी के लिए खुला नहीं था। इसका प्रयोग कुछ लोग ही कर सकते थे। यह रास्ता केवल उन लोगों के लिए खुला था जो इस रास्ते से होते हुए काम पर जाया करते थे।

प्रश्न 3. ज़मीन पर चलना कैसे संभव हो पाया?

उत्तर- जमीन पर चलने के लिए विशेष प्रकार के जूतों का प्रयोग किया जाता था। इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाती थी।

प्रश्न 4. मंगल ग्रह के लोगों के लिए अब अंतरिक्ष यान छोड़ना असंभव क्यों है?

उत्तर- मंगल ग्रह के लोगों के लिए यान छोड़ना असंभव है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक मात्रा में ऊर्जा उपलब्ध नहीं है।

➢ लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. इस पाठ के अनुसार मंगल ग्रह पर जनजीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया-?

उत्तर- एक समय था जब मानव मंगल ग्रह पर जमीन के ऊपर रहते थे। धीरे वातावरण में परिवर्तन धीरे-आने लगा। कई तरह के जीव धरती पर रहते थे। सूरज में बहुत भारी परिवर्तन आया। सूरज में होने की वजह से वहाँ का प्राकृतिक, संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के बदले हुए रूप का सामना करने में यहाँ के पशुपक्षी-, पेड़ पौधे व अन्य जीव असमर्थ साबित हुए। इसलिए मंगल ग्रह का जीवन नष्ट हो गया।

प्रश्न 2. छोटू के सुरंग में प्रवेश करते ही क्या हुआ?

उत्तर- उसके प्रवेश करते ही पहले निरीक्षक यंत्र में संदेहास्पद स्थिति दर्शाने वाली हरकत हुई, दूसरे यंत्र ने उसकी तस्वीर खींच ली और सूचना दे दी गई।

प्रश्न 3. छोटू की माँ छोटू से क्यों नाराज़ थी?

उत्तर- छोटू की माँ ने पहले भी कई बार छोटू को सुरंगनुमा रास्ते की तरफ़ जाने से मना किया था।फिर भी छोटू ने उनकी बात नहीं मानी। उसने पापा का सिक्यूरिटी पास चुराया और सुरंग का दरवाजा खोलकर उसके भी चला गया। इसी कारण छोटू की माँ उससे नाराज़ थी।

प्रश्न 4. अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों भेजा था?

उत्तर- अंतरिक्ष यान को यानी नासा ने भेजा था। नासा 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा यह पता लगाना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से ने अंतरिक्ष यान भेजा था। 'नासा'

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न 1 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर- कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने अंतरिक्ष यान क्रमांक-एक देखा। उस यान से एक यांत्रिक हाथ बाहर निकल रहा था। हर पल उसकी लंबाई बढ़ती जा रही थी। छोटू का पूरा ध्यान कॉन्सोल-पैनल पर था जिस पर कई बटन लगे हुए थे। यहीं लगे लाल बटन को छोटू दबाना चाहता था। अंत में उसने अपनी इच्छा नहीं रोक पाई। उसने उसका लाल बटन दबा ही दिया। बटन दबते ही खतरे ही घंटी बज उठी। अपनी इस गलती पर उसने अपने पिता से एक थप्पड़ भी खाया क्योंकि उसके बटन दबाने से अंतरिक्ष यान की क्रमांक-एक का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया।

व्याकरण
काल

काल का अर्थ होता है – "समय" । अर्थात क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते है।
दूसरे शब्दों में —-काल क्रिया के उस रूप को कहते है जिससे उसके कार्य करने या होने के समय तथा पूर्णता का ज्ञान होता है। उसे काल कहते है।
क्रिया के होने के समय की सूचना हमें काल से मिलती है। जैसे —

- नीलम बीमार है।
- नीलम बीमार थी ।
- नीलम अस्पताल जाएगी।

काल के भेद-
काल के तीन भेद होते है-

1. वर्तमान काल)present Tense) – जो समय चल रहा है।
2. भूतकाल)Past Tense) – जो समय बीत चुका है।
3. भविष्यत काल)Future Tense)- जो समय आने वाला है।

1) वर्तमान काल- कोई क्रिया जिस समय घटित होती है, भाषा में वह समय वर्तमान काल कहलाता है।
क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।
उदहारण

- मेरी बहन डॉक्टर है।
- वह रोज अस्पताल जाती है।
- पिताजी सुबह मंदिर जाते है।
- मॉ इस समय नाश्ता बना रही है।
- बच्चे स्कूल गए है।

2) भूतकाल -: जिसके द्वारा हमें क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है। उसे भूतकाल कहा जाता है।
भूतकाल दो शब्दों के मेल से बना है जो " – है होता अर्थ का भूत काल। + भूत" – बीत गया और काल का अर्थ होता है "समय। –

- आज हमारा स्कूल बंद था
- हवा बहुत तेज चल रही थी
- वह खा चुका था।
- मैंने पुस्तक पढ़ ली थी।
- वे दोनों मेरे पडोसियों के बच्चे थें।

3) भविष्य काल- जिन चिह्नों से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में घटित होने वाली है, वे चिह्न भविष्यत काल के चिह्न कहलाते हैं |
दूसरे शब्दों में —जिसके द्वारा हमें क्रिया के आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो उसे भविष्यत काल कहते है।

- राम कल पढ़ेगा।
- इस साल बारिश अच्छी होगी
- वह मेरी बात नहीं मानेगी।
- आज बाजार बंद रहेगा

- कमला गाएगी

लेखन – विभाग
कहानी लेखन

संकेत

एक किसान के लड़के लड़तेकिसी से न -लकड़ियों को तोड़ने को दिया -सबको बुलाया -किसान मरने के निकट - शिक्षा। -एक कर लकड़ियों तोड़ी-एक -टूटा

एक था किसान। उसके चार लड़के थे। पर, उन लड़कों में मेल नहीं था। वे आपस में बराबर लड़ते झगड़ते रहते थे।- एक दिन किसान बहुत बीमार पड़ा। जब वह मृत्यु के निकट पहुँच गया, तब उसने अपने चारों लड़कों को बुलाया और मिल जुलकर रहने की शिक्षा दी। किन्तु लड़कों पर उसकी बात का कोई-प्रभाव नहीं पड़ा। तब किसान ने लकड़ियों का गट्ठर माँगाया और लड़कों को तोड़ने को कहा। किसी से वह गट्ठर न टूटा। फिर, लकड़ियाँ गट्ठर से अलग की गयीं। किसान ने अपने सभी लड़कों को बारीअलग तोड़ने को -बारी से बुलाया और लकड़ियों को अलग- कहा। सबने आसानी से ऐसा किया और लकड़ियाँ एकएक कर टूटती गयीं। अब लड़कों की आँखें खुलीं। तभी - कितना बल है। जुलकर रहने में-उन्होंने समझा कि आपस में मिल

शिक्षा – एकता में ही बल है |

* **गतिविधि** – सौरमंडल का चित्र बनाइए |

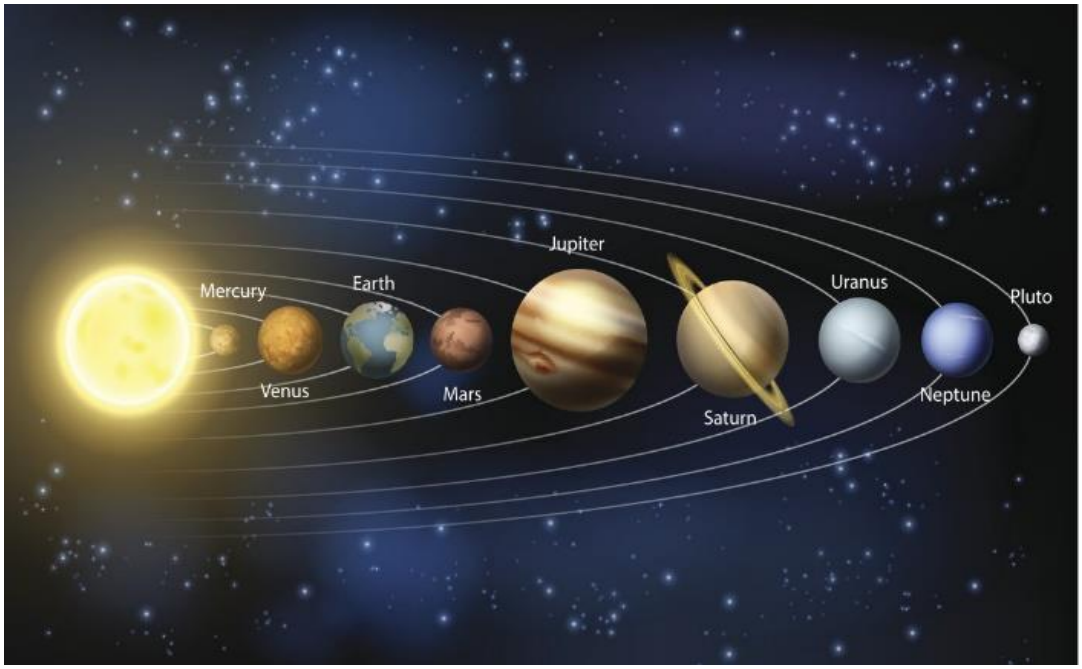

रामायण
पाठ- 5 चित्रकूट में भरत

प्रश्न-1 भरत के नाना कौन थे?
उत्तर- भरत के नाना केकयराज थे ।
प्रश्न-2 जब राजा दशरथ की मृत्यु हुई तब भरत कहाँ थे?
उत्तर- जब राजा दशरथ की मृत्यु हुई तब भरत अपने ननिहाल केकय राज्य में थे ।
प्रश्न-3 भरत ने सपने में क्या देखा?
उत्तर - भरत ने सपने में देखा कि समुद्र सूख गया । चन्द्रमा धरती पर गिर पड़े । वृक्ष सूख गए । राजा दशरथ को एक राक्षसी खींचकर ले जा रही है । वे रथ पर बैठे हैं । रथ गधे खींच रहें हैं ।
प्रश्न-4 भरत को संदेश कब मिला?
उत्तर - जिस समय भरत मित्रों को अपना सपना सुना रहे थे ठीक उसी समय अयोध्या से घुड़सवार दूत वहाँ पहुँचे । तभी भरत को संदेश मिला ।
प्रश्न- 5 केकयराज ने भरत को कितने रथों और सेना के साथ विदा किया?
उत्तर - केकयराज ने भरत को सौ रथों और सेना के साथ विदा किया ।
प्रश्न- 6 भरत अयोध्या कितने दिनों में पहुँचे?
उत्तर - भरत अयोध्या आठ दिनों में पहुँचे ।
प्रश्न- 7 भरत को अयोध्या पहले जैसी क्यों नहीं लगी?
उत्तर - भरत को अयोध्या पहले जैसी इसलिए नहीं लगी क्योंकि चारों तरफ शांति थी ।
प्रश्न-8 भरत क्या सुनते ही शोक में डूब गए?
उत्तर- यह सुनते ही भरत शोक में डूब गए कि उनके पिता राजा दशरथ का निधन हो गया है ।
प्रश्न-9 राजा दशरथ के मुँह कौन से अंतिम तीन शब्द निकले?
उत्तर- राजा दशरथ के मुँह से अंतिम तीन शब्द निकले – हे राम! हे सीते! हे लक्ष्मण!
प्रश्न-10 सुध-बुध लौटने पर भरत कहाँ गए?
उत्तर- सुध-बुध लौटने पर भरत रानी कौशल्या के महल की ओर गए ।
प्रश्न-11 कौशल्या को किस बात का दुःख था?
उत्तर- कौशल्या को इस बात का दुःख था कि कैकेयी ने राज लेने का जो तरीका अपनाया वह अनुचित और निर्मम था ।
प्रश्न-12 भरत और शत्रुघ्न किस बात पर मंत्रणा कर रहे थे?
उत्तर - भरत और शत्रुघ्न राम को वापस लाने पर मंत्रणा कर रहे थे ।
प्रश्न-13 भरत को पहाड़ी पर किसकी छवि दिखी?
उत्तर- भरत को पहाड़ी पर राम की छवि दिखी ।
प्रश्न-14 भरत ने राम से क्या विनती की?
उत्तर - भरत ने राम से राजग्रहण का आग्रह किया और विनती कि की वो अयोध्या लौट चलें ।

कविता -7 साथी हाथ बढ़ाना
(कवि – साहिर लुधियानवी)

➢ कविता का सार

यह गीत देशवासियों को संबोधित है। साथी हाथ बढ़ाना वाक्य का संकेत है-मिलकर कार्य करना। इस गीत का आशय यह है कि हमें आपस में मिल-जुलकर काम करना चाहिए। अकेला व्यक्ति काम करते-करते थक भी सकता है। संगठन और शक्ति के सामने बड़ी-बड़ी बाधाएँ दूर हो जाती हैं। मिल-जुलकर मेहनत करने से भाग्य भी बदल सकते हैं। बिना किसी के सहयोग के अकेले आगे बढ़ना कठिन कार्य है। जीवन में हर पल पर हमें किसी न किसी के मदद की आवश्यकता होती है। इसका समाधान हमारे जीवन में कई लोगों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से होता है। अतः बिना सहयोग के आगे बढ़ना असंभव-सा लगता है। इस गीत से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें प्रत्येक कार्य मिल-जुलकर करना चाहिए, परिश्रम से कभी घबराना नहीं चाहिए। और सभी के सुख-दुख में सहयोग देना चाहिए। यह कविता हमें एकता और संगठन की शक्ति के बारे में भी बताती है।

➢ नए शब्द

1) फौलादी
2) नेक
3) सीस
4) गैरों
5) इंसा
6) लेख

➢ शब्दार्थ

1) परतब – पर्वत
2) सीस – शीश
3) फौलादी – मजबूत
4) लेख – भाग्य का लिखा
5) गैरों – दूसरों
6) मंज़िले – ध्येय , लक्ष्य स
7) नेक – भला
8) कतरा – बूँद
9) जरा – कण
10) इंसा – आदमी , इंसान

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. यह गीत किसको संबोधित है?

उत्तर- यह गीत देशवासियों को संबोधित है।

प्रश्न 2. 'साथी हाथ बढ़ानावाक्य किस ओर संकेत करता है '?

उत्तर- साथी हाथ बढ़ाना वाक्य का संकेत हैमिलकर कार्य करना।-

प्रश्न 3. इंसान चाहे तो क्या कर सकता है?

उत्तर- इंसान चाहे तो चट्टानों में भी रास्ता निकाल सकता है।

प्रश्न 4. "गैरोंके लिए हमने क्या किया है '?

उत्तर- 'गैरोंसुविधाओं की परवाह न करके उनके कार्यों को पूरा किया है।-के लिए हमने अपनी सुख '

प्रश्न 5. हमारा लक्ष्य क्या है?

उत्तर- हमारा लक्ष्य सत्य की प्राप्ति है। हमें मिललकर उन्नति के रास्ते पर चलना चाहिए।जु-

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. इस गीत का आशय क्या है?

उत्तर- इस गीत का आशय यह है कि हमें आपस में मिल जुलकर काम करना चाहिए। अकेला व्यक्ति- काम करते करते थक भी सकता है। संगठन और शक्ति के सामने बड़ी एँ दूर होबड़ी बाधा- जाती हैं। मिलजुलकर मेहनत- करने से भाग्य भी बदल सकते हैं।

प्रश्न 2. क्या बिना सहयोग के आगे बढ़ा जा सकता है?

उत्तर- बिना किसी के सहयोग के अकेले आगे बढ़ना कठिन कार्य है। जीवन में हर पल पर हमें किसी न किसी के मदद की आवश्यकता होती है। इसका समाधान हमारे जीवन में कई लोगों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से होता है। अतः बिना सहयोग के आगे बढ़ना असंभवसा लगता है।-

प्रश्न 3. इस गीत से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- इस गीत से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें प्रत्येक कार्य मिलरना चाहिएजुलकर क-, परिश्रम से कभी घबरान नहीं चाहिए। और सभी के सुखदुख में सहयोग देना चा-हिए। यह कविता हमें एकता और संगठन की शक्ति के बारे में भी बताती है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया'-साहिर ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर- साहिर ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि एक साथ मिलकर काम करने से बड़ी से बड़ी बाधाओं में भी रास्ता निकल आता है, यानी काम आसान हो जाता है। साहसी व्यक्ति सभी बाधाओं पर आसानी से विजय पा लेता है क्योंकि एकता और संगठन में शक्ति होती है जिसके बल पर वह पर्वत और सागर को भी पार कर लेता है।

2) गीत में सीने और बाँहों को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उत्तर- सीने और बाँह को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि हमारे इरादे मजबूत हैं। हमारे बाजुओं में आपार शक्ति है। हम ताकतवर हैं। हम बलवान हैं। हमारी बाँहें फ़ौलादी इसलिए भी हैं कि इसमें असीम कार्य क्षमता का पता चलता है। हमारी बाजुएँ काफ़ी शक्तिशाली भी हैं।

व्याकरण
उपसर्ग और प्रत्यय

➢ उपसर्ग-

उपसर्ग में हम किसी मूल शब्द के आगे शब्दांश जोड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं । उपसर्ग शब्द का निर्माण उप और सर्ग के मिलने से हुआ है ।उप का अर्थ जहां आगे होता है वही सर्ग का मतलब होता है, जोड़ना इस प्रकार उपसर्ग की सबसे अर्थवान परिभाषा हुई," उपसर्ग वह शब्दांश है जो किसी शब्द के आगे लगकर नए नए शब्दों का निर्माण करता है।"

अति अतिरिक्त–, अतिशय, अतिशयोक्ति
अनु अनुभव –, अनुसार,अनुचर, अनुग्रह
निस् – निस्वार्थ, निष्कर्ष निष्पक्ष
परि परिस्थिति –, परिवार, परिहास
हम – हमसफ़र, हमशक्ल, हमदर्द
हर हरअजीज –, हरवक्त, हरदम
खुश खुशफहमी–, खुशदिल, खुशमिजाज
ला लानत –, लाचार, लाइलाज

➢ प्रत्यय-

प्रति और अवयव के मिलने से बना शब्द प्रत्ययकहलाता है। वह शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे लग कर एक नए - रता है प्रत्यय कहलाता है। जैसे पूजा मेंशब्द का निर्माण कपा लगता है तो पुजापा बन जाता है।

आवट मिलावट –,लिखावट,बसावट, बनावट
आहट फुसफुसाहट –,मरमराहट, घबराहट। छटपटाहट
आया बनाया –, सुनाया, बहलाया, खिलाया
आक छपाक –,तपाक,चटाक, मजाक
आऊ लडाऊ –,गिराऊ,बुझाऊ,घुमाऊ
इमा गरिमा –, लघिमा
नाक खतरनाक –, दर्दनाक
दान –दीपदान, अंगदान, पिंडदान
कार कलाकार चित्रकार पत्रकार –, कुंभकार

लेखन – विभाग

पत्र लेखन

- **अपने मुहल्ले के पोस्टमैन की कार्यशैली का वर्णन करते हुए पोस्टमास्टर को शिकायती पत्र लिखिए।**

15, दूंगाधारा,
अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)।
दिनांक 13-4-2021
सेवा में,
पोस्ट मास्टर,
उप-डाकघर पोखर खाली, अल्मोड़ा।
महोदय,
मैं आपका ध्यान मुहल्ला दूंगाधारा के पोस्टमैन की कर्तव्य-विमुखता की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस मुहल्ले के निवासियों की शिकायत है कि यहाँ डाक कभी भी समय से नहीं बँटती है। अतः यहाँ के निवासियों को बड़ी असुविधा है। आपसे निवेदन है कि इस मामले की जानकारी प्राप्त करके उचित कार्यवाही करने की कृपा करें, ताकि इस समस्या का निराकरण हो सके।
सधन्यवाद!
भवदीय

- **गतिविधि** - साथी हाथ बढ़ाना गीत का चित्र बनाए अथवा लगाए |

पाठ – 8 ऐसे – ऐसे
(लेखक – श्री विष्णु प्रभाकर)

➢ पाठ का सार

प्रस्तुत एकांकी विष्णु प्रभाकर जी की रचना है। इस एकांकी के माध्यम से उन्होंने बताया है कि जब बच्चों का विद्यालय का कार्य पूरा नहीं होता तो वह कैसेक बच्चा काम पूरा न होने कैसे बहाने करते हैं। इस एकांकी में ए- पर पेट दर्द का बहाना करता है। डॉक्टर, वैद्य सभी उसको देखने आते हैं। अपनीअपनी राय बता कर चले जाते - हैं। अंत में अध्यापक आकर उसकी बीमारी को पकड़ता है।

➢ नए शब्द

1) अट्टहास
2) गुलजार
3) रूआँसा
4) छकाना
5) चकित
6) छका देना

➢ शब्दार्थ

1) अंट- शंट = ऐसी वैसी
2) चकित = हैरान
3) रूआँसा = रोनी सूरतवाला
4) गुलजार = रोशन
5) बला = मुसीबत
6) भला – चंगा = ठीक -ठाक
7) धमा – चौकड़ी = उछल -कूद
8) छका देना = परेशान करना
9) अट्टहास = ज़ोर की हँसी
10) छकाना = मूर्ख बनाना

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मोहन ने पिता के दफ़्तर में क्या खाया था?

उत्तर- मोहन ने पिता के दफ़्तर में एक केला और एक संतरा खाया था।

प्रश्न 2. वैद्य जी को बुलाकर कौन लाया?

उत्तर- मोहन के पड़ोसी वैद्य जी को बुलाकर लाए थे।

प्रश्न 3. वैद्य जी ने मोहन को देखने के बाद क्या कहा?

उत्तर- वैद्य जी मोहन को देखकर कहते हैं कि घबराने की कोई बात नहीं। मामूली बात है, पर इससे कभीकभी बड़े भी तंग आ जाते हैं।-

प्रश्न 4. मोहन ने क्या बहाना बनाया?
उत्तर- मोहन ने स्कूल न जाने के लिए बहाना बनाया कि उसके पेट में ऐसेदर्द हो रहा है। 'ऐसे-
प्रश्न 5. क्या मोहन के पेट में सचमुच दर्द था?
उत्तर- नहीं, मोहन के पेट में कोई दर्द नहीं था। वह केवल बहाना कर रहा था।

➢ लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मोहन की हालत देख माँ क्यों अधिक परेशान थी?
उत्तर- मोहन की हालत देखकर मोहन की माँ ने मोहन को हींग, चूरन, पिपरमेंट आदि दिया था, पर मोहन ठीक नहीं हुआ था। वह बार ऐसे हो रहा है। माँ-बार कहता था कि उसके पेट में ऐसे- उसकी हालत देखकर परेशान थी क्योंकि मोहन को क्या हो रहा है, यह पता नहीं चल रहा था। उसने रीकी बीमारी का नाम न सुना था। वह सोच में पड़ गई थी कि उसे कोई नई बीमा 'ऐसे-ऐसे' तो नहीं हो गई है इसीलिए वह मोहन की हालत देखकर परेशान थी।

प्रश्न 2. मोहन की माँ क्यों कहती हैहँसी की हँसी-, दुख का दुख?
उत्तर- मोहन की माँ बार दर्द के बारे में पूछती है। वह बस यही कहता है कि-बार मोहन से उसके पेट- पेट में ऐसेहै। उसकी बात सुनकर माँ हँस पड़ती है और परेशान भी होती है। वह हो रहा 'ऐसे- बेटे के दुख से दुखी होती है। इसी | मनः स्थिति में वह कहती है की हँसी की हँसी दुख का दुख। यह उसे अजीब बीमारी लगती है।

प्रश्न 3. ऐसे कौनएक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी-? उत्तर- ऐसे अनेक बहाने होते हैं; जैसेआज स्कूल में कुछ नहीं होगा-, बस सफ़ाई कराई जाएगी। कुछ छात्र कहते हैं कि मैं रात में पढ़ाई कर रहा था मेरी किताब और कॉपी वहीं छूट गई। कभी कभी- छात्र दूर के रिश्तेदार की बीमारी का बहाना बना लेते हैं। इसके अलावे छात्र पेट दर्द, सिर दर्द, मातापिता के साथ कहीं जाना-, जिन्हें एक ही बार सुनकर मास्टर जी समझ जाते हैं।

प्रश्न 4. वैद्य जी मोहन को क्या बीमारी बताते हैं? वह उसे क्या दवा देते हैं?
उत्तर- वैद्य जी मोहन के पेटदर्द का कारण बताते हैं वात का प्रकोप है-, कब्ज़ है। पेट साफ़ नहीं हुआ है। मल रु क जाने से वायु बढ़ गई है। वह मोहन को दवा की पुड़िया हर आधे आधे घंटे बाद- गरम पानी से लेने को कहते हैं।

प्रश्न 5. डॉक्टर मोहने को क्या बीमारी बताते हैं और ठीक होने का क्या आश्वासन देते हैं?
उत्तर- डॉक्टर मोहन की जीभ देखकर कहते हैं कि उसे कब्ज़ और बदहजमी है। फिर वह बताते हैं कि कभी कभी हवा रु क जाती है और फंदा डाल लेती है। मोहन के पेट में बस उसी का ऐंठन है।- वह मोहन को आश्वासन देते हैं कि दवा की एक खुराक पी लेने के बाद तबियत ठीक हो जाएगी।

व्याकरण

➢ अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए |

1-उसने अनेकों ग्रंथ लिखे।
उसने अनेक ग्रंथ लिखे।
2- महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।
महाभारत अठारह दिन तक चलता रहा।
3- तेरी बात सुनते-सुनते कान पक गए।
तेरी बातें सुनते-सुनते कान पक गए।
4- पेड़ों पर तोता बैठा है।
पेड़ पर तोता बैठा है।
5- उसने संतोष का साँस ली।
उसने संतोष की साँस ली।

6- सविता ने जोर से हँस दिया।
सविता जोर से हँस दी।
7- मुझे बहुत आनंद आती है।
मुझे बहुत आनंद आता है।
8- वह धीमी स्वर में बोला।
वह धीमे स्वर में बोला।
9- राम और सीता वन को गई।
राम और सीता वन को गए।
10- मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।
मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।
11- कुत्ता रेंकता है।
कुत्ता भौंकता है।
12- मुझे सफल होने की निराशा है।
मुझे सफल होने की आशा नहीं है।

लेखन -विभाग
चित्र वर्णन

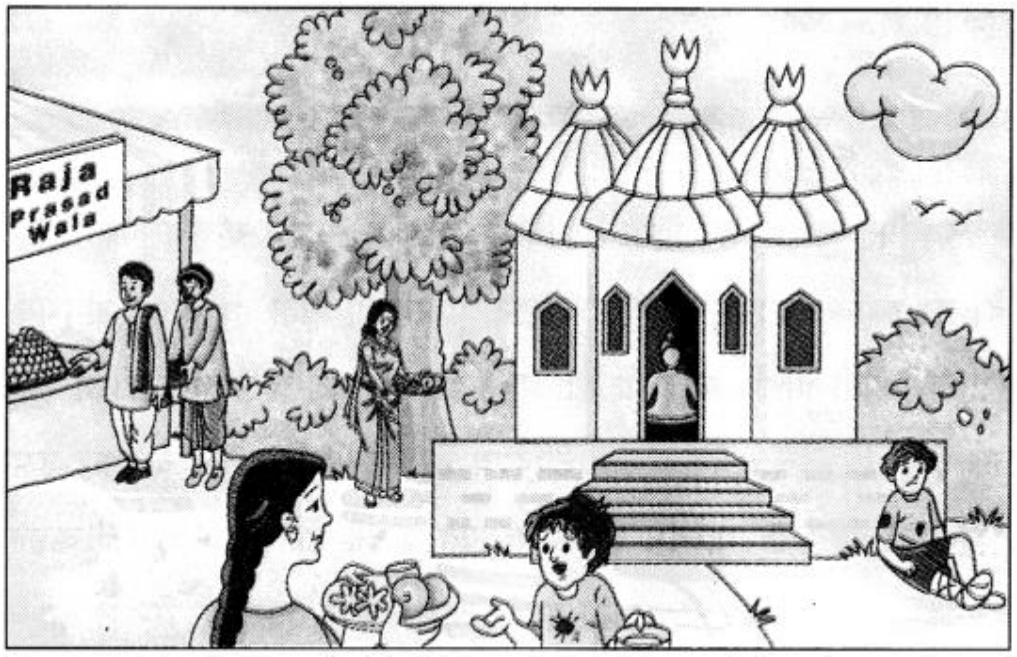

प्रस्तुत चित्र मंदिर का है। मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहाँ व्यक्ति श्रद्धाभाव से जाता है और अपने इष्टदेव की पूजा करके मानसिक शांति पाता है। अतः प्रातः काल सभी लोग मंदिर जाते हैं। इस चित्र में एक महिला हाथ में पूजा की थाली लिए मंदिर जा रही है। हिंदू धर्म में वृक्ष की पूजा का विधान है इसलिए प्रत्येक मंदिर के बाहर पीपल या केला का पेड़ एवं तुलसी का पौधा होता है। इस चित्र में भी एक वृक्ष है जिसके सामने खड़े होकर एक महिला पूजा कर रही है। एक बच्चा पूजा के लिए जाती हुई महिला से भिक्षा माँग रहा है उसके एक हाथ में पात्र है और उसने दूसरा हाथ भिक्षा के लिए फैला रखा है। सीढ़ियों के पास एक बच्चा बैठा है, जो कि अपाहिज है। वह मंदिर में आने वाले भक्तों से दया की भीख चाहता है।

➢ **गतिविधि-** ऐसे ऐसे पाठ आधारित चित्र बनाए अथवा लगाए |

बाल रामायण

पाठ -6 दंडक वन में दस वर्ष

प्रश्न-1 चित्रकूट और अयोध्या में कितनी दूरी थी?
उत्तर- चित्रकूट अयोध्या से चार दिन की दूरी पर था ।
प्रश्न-2 राक्षस ऋषि मुनियों को किस प्रकार कष्ट देते थे?
उत्तर - राक्षस ऋषि मुनियों के अनुष्ठानों में विघ्न डालकर कष्ट देते थे ।
प्रश्न-3 सीता की दैत्यों के सहांर के संबंध में क्या सोच थी?
उत्तर - सीता चाहती थीं कि राम अकारण राक्षसों का वध न करें । उन्हें न मारें जिन्होंने उनका कोई अहित नहीं किया है ।
प्रश्न-4 कौन से मुनि ने राम को राक्षसों की अत्याचार की कहानी सुनाई?
उत्तर - सुतीक्ष्ण मुनि ने राम को राक्षसों की अत्याचार की कहानी सुनाई ।
प्रश्न-5 कौन विंध्यांचल पार करने वाले पहले ऋषि थे?
उत्तर - अगस्त्य ऋषि विंध्यांचल पार करने वाले पहले ऋषि थे ।
प्रश्न-6 पंचवटी के मार्ग पर राम को कौन सा प्राणी मिला?
उत्तर - पंचवटी के मार्ग पर राम को विशालकाय गिद्ध, जटायु मिला ।
प्रश्न-7 लक्ष्मण ने जटायु को क्या समझा?
उत्तर - लक्ष्मण ने जटायु को मायावी राक्षस समझा ।
प्रश्न-8 सीता को पकड़ने वाले राक्षस का क्या नाम था?
उत्तर - सीता को पकड़ने वाले राक्षस का नाम विराध था ।
प्रश्न-9 मायावी मारीच ने किसका रूप धारण किया?
उत्तर - मायावी मारीच ने हिरण का रूप धारण किया ।
प्रश्न-10 शूर्पणखा ने अपना क्या परिचय दिया?

उत्तर- शूर्पणखा ने बताया कि वह रावण और कुंभकर्ण की बहन है और अविवाहित है ।

प्रश्न-11 किस राक्षस ने रावण को युद्ध का पूरा विवरण बताया?

उत्तर - अकंपन नाम के राक्षस ने रावण को युद्ध का पूरा विवरण बताया ।

प्रश्न-12 रावण ने किसका रूप धारण किया?

उत्तर - रावण ने तपस्वी का रूप धारण किया ।

पाठ -9 टिकिट एल्बम
(लेखक – सुंदरा रामस्वमी)

➢ पाठ का सार

कक्षा में बस एक राजप्पा ही था, जिसे टिकट इकट्ठा करने की धुन थी। वह एक-एक टिकट इकट्ठा करने के लिए मित्रों के घर के कई चक्कर लगाता था | लेकिन बाकी छात्र इतना परिश्रम नहीं करना चाहते थे। इसको बनाने में काफ़ी परिश्रम, समय और रुपए खर्च भी करना पड़ता था। बाकी छात्र दूसरों के अलबम को देखकर खुश हो जाते थे। कक्षा में राजप्पा ही ऐसा छात्र था जो बड़े मेहनत के साथ टिकटें जमा करता था। सभी विद्यार्थियों को नया काम करने का शौक नहीं होता। वे अधिक परिश्रम नहीं करना चाहते। वे दूसरों की वस्तुओं को देखकर ही खुश हो जाते हैं।राजप्पा के पास अलबम था। उस अलबम के कारण उसे लड़के घेरे रहते थे, पर अब नागराजन के मामा ने उसे सिंगापुर से एक अलबम भेजा था। उस अलबम के कारण नागराजन को सभी घेरे रहते और राजप्पा को कोई नहीं पूछता था। इस कहानी का अंत राजप्पा के फूट-फूटकर रोने से होता है।

➢ नए शब्द

1) जमघट
2) उत्सुक
3) दराज
4) पगडंडियो
5) पुष्ठ
6) अंगीठी

➢ शब्दार्थ

1) जमघट – समूह
2) उत्सुक – बैचेन
3) अगुआ – दूसरों के आगे चलनेवाला
4) पगडंडियो – पतला रास्ता
5) पुष्ठ – पेज़ , पन्ना
6) दराज – कबाट
7) अंगीठी – मिट्टी या लोहे का बना चूल्हा

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) 'टिकट-अलबम' पाठ के लेखक कौन हैं?
(i) सुंदरा रामस्वामी (ii) भगवत शरण उपाध्याय
(iii) जया विवेक (iv) अनुबंधोपाध्याय

(ख) नागराजन को अलबम किसने भिजवाया था?
(i) उसके ताऊ ने (ii) उसके चाचा ने
(iii) उसके मामा जी ने (iv) उसके दादा जी ने

(ग) नागराजन को लड़के क्यों घेरे रहते थे?
(i) वह अच्छे-अच्छे चुटकुले सुनाता था।
(ii) उसके पास सुंदर खिलौने थे।
(iii) उसके पास काफ़ी मिठाई थी।
(iv) उसके पास टिकट-अलबम था।

(घ) नागराजन के मामा कहाँ रहते थे?
(i) सिंगापुर (ii) त्रिवेंद्रम
(iii) तिरुचिरा पल्ली (iv) चेन्नई।

(ङ) नागराजन का अलबम किसने चुराया?
(i) पार्वती ने (ii) उसके मित्र ने
(iii) राजप्पा ने (iv) किसी पड़ोसी ने।

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रशनोत्तर

प्रश्न 1. आजकल लड़के किसे घेरे रहते थे और क्यों?
उत्तर- आजकल नागराजन को घेरे रहते थे क्योंकि उसके पास बढिया अलबम था।

प्रश्न 2. अब किसके अलबम की पूछ नहीं रह गई थी?
उत्तर- अब राजप्पा के अलबम की पूछ लड़कों में नहीं रह गई थी।

प्रश्न 3. लड़कियों ने नागराजन से अलबम किसे माँगने भेजा और क्यों?
उत्तर- लड़कियों ने नागराजन से अलबम माँगने के लिए पार्वती को अपना अगुआ बनाकर भेजा क्योंकि वही सबसे तेज़-तर्रार थी।

प्रश्न 4. राजप्पा ने सरपंच के लड़के से क्या कहा?
उत्तर- राजप्पा ने सरपंच के लड़के से कहा-तुम्हारे घर में जो प्यारी बच्ची है उसे तीस रुपए में दोगे।

प्रश्न 5. राजप्पा ने अलबम क्यों छिपा दिया?
उत्तर- राजप्पा ने नागराजन की अलबम चुराई थी, इसलिए वह नहीं चाहता था कि किसी को इसके बारे में कुछ पता चले।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. राजप्पा को अब कोई क्यों नहीं पूछता था?
उत्तर- राजप्पा के पास अलबम था। उस अलबम के कारण उसे लड़के घेरे रहते थे, पर अब नागराजन

के मामा ने उसे सिंगापुर से एक अलबम भेजा था। उस अलबम के कारण नागराजन को सभी घेरे रहते और राजप्पा को कोई नहीं पूछता था।

प्रश्न 2. नागराजन अपना अलबम सबको कब-कब और कैसे दिखाता था?

उत्तर- नागराजन सुबह की पहली घंटी बजने तक, दोपहर की आधी छुट्टी के समय और शाम को अपने घर पर सबको अलबम दिखाता था। वह अपना अलबम किसी को हाथ नहीं लगाने देता था। उसे अपने गोद में लेकर बैठ जाता, लड़के उसे शाँतिपूर्वक घेरकर खड़े रहते और उसका अलबम देखकर खुश होते थे।

प्रश्न 3. राजप्पा के अलबम को किसने, कितने में खरीदना चाहा था? राजप्पा ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर- स्कूल भर में राजप्पा का अलबम सबसे बड़ा और सुंदर था। सरपंच के लड़के ने उसके अलबम को खरीदना चाहा था। पर राजप्पा नहीं माना। राजप्पा ने उसे घमंडी कहा और फिर उसने उससे कहा, क्या तुम अपने घर की प्यारी बच्ची को तीस रुपए में बेच सकते हो? इस बात को सुनकर सारे बच्चे ठहाका मारकर हँस पड़े।

व्याकरण

अनेक शब्दों के एक शब्द :

हिंदी शब्दों में अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। अथार्त हिंदी भाषा में कई शब्दों की जगह पर एक शब्द बोलकर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है। हिंदी भाषा में अनेक शब्दों में एक शब्द का प्रयोग करने से वाक्य के भाव को पता लगाया जा सकता है।

इतिहास से संबंध रखने वाला – ऐतिहासिक
एक सप्ताह में होने वाला– साप्ताहिक
ऋषियों के रहने का स्थान – आश्रम
कठिनता से प्राप्त होने वाला – दुर्लभ
किसी से भी न डरना वाला – निडर
किसी प्राणी को न मारना – अहिंसा
जिस स्त्री का पति जीवित हो – सधवा
जिसकी कोई सीमा न हो – असीम
जहाँ लोगों का मिलन हो – सम्मेलन
जिसके आने की तिथि न हो – अतिथि
जो आँखों के सामने न हो – परोक्ष
वन में रहने वाला मनुष्य– वनवासी
तेज़ गति से चलने वाला – द्रुतगामी
जिसका कोई कारण न हो – अकारण

लेखन विभाग

रक्षाबंधन पर अनुच्छेद

रक्षा बंधन के पर्व को भाई बहिन का उत्सव कहा जाता हैं. मूल रूप से यह हिन्दुओं का त्योहार हैं| भारत में राखी का त्योहार रक्षा बंधन सैकड़ों वर्षों से मनाया जाता रहा हैं| हिन्दू मान्यताओं के अनुसार राखी का पर्व श्रावण महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता हैं|अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार यह अगस्त माह में पड़ता हैं| रक्षा बंधन के दिन बहिन अपने भैया के घर जाती हैं तथा उन्हें मुहं मीठा करवाकर तिलक लगाकर राखी बांधती हैं. भाई बहिन को उनकी रक्षा का वचन देता हैं तथा ही वह उन्हें कुछ भेंट उपहार देकर विदा करता हैं| राखी का अपना एक सांकेतिक महत्व हैं, यह हिन्दू धर्म के अनुसार एक भाई को अपनी बहिन के प्रति दायित्वों की याद दिलाता हैं| इस पर्व के सम्बन्ध में पुराणों में राजा बलि एवं इंद्र की एक कथा का प्रसंग मिलता हैं जिसके मुताबिक देवराज इंद्र के राज्य को बलि हडप लेता हैं| राज्य प्राप्ति के लिए इंद्र भगवान् विष्णु की मदद से बलि से तीन पग जमीन मांगते हैं| वे जानते थे कि बलि बड़ा दानी राजा हैं वह ब्राह्मण को मना नहीं करेगा. उनकी हामी पर विष्णु ने विराट रूप दिखाकर तीनों लोक को अपने पैरों से नापकर बलि को पाताल लोक भेज दिया था| हमें इतिहास की पुस्तकों में रक्षा बंधन से जुड़ा एक और प्रसंग कर्मावती और हुमायूं का बताया जाता हैं| कुछ भी मान्यता रही हो, वाकई साल के 365 दिनों में एक दिन भाई बहिन के समर्पण के दिन को हमें अपनी परम्पराओं के अनुसार मनाना चाहिए|

- **गतिविधि- अलग अलग प्रकार की डाक टिकिट एकत्र करके लगाए |**